

प्रतिवेदन

10/3/21

विभाग - समाजशास्त्र

" महिलाओं के हित में कने कानून - एक जानकारी " (कार्यशाला)

समाजशास्त्र विभाग द्वारा महाविद्यालयी स्तर पर एक कार्यशाला छात्र-छात्राओं के लिये आयोजित की गई। महिलाओं के शोषण एवं उत्पीड़न से बचाने हेतु कुछ दशकों से कानून पारित किये गये हैं। जिससे उनके साथ भेदभाव व अत्याचार समाप्त हो इसके जानकारी उन्हें दी गई ताकि वे खुद भी जानें और परिवार के सदस्यों के आस-पास के लोगों को भी बतौयें। इस कार्यशाला में डॉ. एम. बी. कसला ने उनके लिये कने कानून की जानकारी दी।

संविधान के अनुच्छेद 14 में कानूनी समानता अनुच्छेद 15 में जाति, धर्म, लिंग एवं जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव न करना अनुच्छेद 19 में समान रूप से अभिव्यक्ति के स्वतंत्रता 23-24 में शोषण के विरुद्ध अधिकार समान रूप से प्राप्त। 25-28 में धार्मिक स्वतंत्रता 29-30 में शिक्षा एवं संस्कृति का अधिकार 40 में पंचायती राज संस्थाओं में आरक्षण या में बुढ़ापा, कौशल आदि में अभाव की दशाओं में सहायता प्राप्त करने का अधिकार 42 में पुरुषों की सहायता प्राप्त 47 में शोषण आहार 51 में भारत में महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध प्रथाओं का त्याग अनुच्छेद 33(क) 84 में लोकसभा में आरक्षण भूत परीक्षा पर रोक 1994 अधिनियम द्वारा 1961 दहेज विरोध अधिनियम 1961 में प्रकृत सुविधा अधिनियम को 90 दिनों से 180 दिन किया गया 1976 समान कार्य समान वेतन, 1979 पृथक शौचालय स्तानांगण के व्यवस्थापन 1994 में अश्लीलता, धेड़पाड़ सम्बंधी रोक पर कानून 2006 दुर्व्यवहार के कारण आत्महत्या धारा 313 महिला के उत्तर के विरुद्ध गर्भपात 316 नवजात बच्चे को मारना 318 नवजन्मे शिशु के जन्म को छुपाना धारा 355 में लज्जाशीलता भंग करना आदि अनेक धारों एवं उनके लिये बनाये गये अधिनियमों की जानकारी दी कार्यक्रम में डॉ. रेखा शर्मा, अनुराधा दोगान मैडम एवं डॉ. संख्या पात्र मैडम एवं सभी संकायों के कर्मियों की सहभागिता रही और छात्रों ने अपनी जिज्ञासाओं भी शांत की।

*[Signature]*  
 प्राचार्य  
 Sant Shiromani Guru Ravidas  
 Govt. College Sargaon

*[Signature]*  
 विभागाध्यक्ष  
 डॉ. आशा सिपाही

महाविद्यालयीन स्तरीय सेमीनार का आयोजन

विभाग - सामाजिकशास्त्र (कामशाला)


विषय - "महिलाओं के हितों को बचाने का नून - एक जानकारी"


दिनांक - 10/03/2021

स्थल - कक्ष क. - (01)

प्रतिभागियों की सूची -

1. रीमा यादव / Reema
2. हुमेश शर्मा / Humesh Sharma
3. नेहा शर्मा / Neha
4. नंदनी गडविर्ग / Nandani
5. यशवंत राजपूत / Yashwant
6. सुनील साहू / Sunil
7. पुष्पलक्ष भारती / Puspalksh
8. साधराम धुव / Sadharan Dhuv
9. संदीप कुमार / Sandeep Kumar
10. शीतल / Sheetal
11. हेमन्त कुमार / Hemant Kumar
12. चन्द्रप्रकाश / Chandraprasad
13. पूनमचंद / Punamchand
14. आनंद साहू / Anand Sahu
15. अंजलि / Anjali
16. विमला वंजारे / Vimla Vansare
17. विशाल सादेव / Vishal Sadev
18. परमेखर भारती / Parmekhara
19. पार्वती / Parvati
20. आरती / Arati
21. शुरुिता / Shurita

  
Principal  
Sant Shiromani Guru Ravidas  
Govt. College Sargaon  
Dist. Muz. S. C. 19.1

  
विभागाध्यक्ष  
ज. उ. सामाजिकशास्त्र  
सामाजिकशास्त्र

प्रतिवेदन

विभाग - समाजशास्त्र

" उभयलिंगी समाज की समस्याएं - एक चिंतन " 04/3/21

विषय पर समाजशास्त्र विभाग द्वारा महाविद्यालयी तंत्र पर एक शोध संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें सरगाँव के पारस ही भ्रमण कर जीवनयापन करने वाले किशोरों (उभयलिंगी) को आमंत्रित किया गया। उनकी समस्याएं जानी गई। उभयलिंगी या ट्रांसजेंडर से अभिप्राय उन लोगों से है जिनके जननंग पुरुष तरह से विकसित नहीं हो पाये हैं। रायवा पुद्गल होकर भौतिकीय चिह्न गुण के हैं। ये समाज का वो परिव्यक्त उपेक्षित वर्ग है जिसके बारे में गंभीरता से चिंतन करने की आवश्यकता है कि इनकी समस्याएं क्या हैं? क्यों ये आज के इस आधुनिकता के युग में भी परम्परागत तरीके से ही जीवन यापन करने काध्य हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 5 लाख किशोर हैं जिनमें आधे से अधिक नकला हैं जो पैसे के लालच में कितर होने का स्वांग करते हैं। इनमें से 70 हजार को आपरेशन द्वारा ही न किया जा सकता है। कुछ को मनो चिकित्सक द्वारा वापस उनके लिंग में भेजा जा सकता है। विरल स्वास्थ्य संगठन के अनुसार ट्रांसजेंडर में वे समाजशास्त्र सामूहिक है जिनके लिंग को अनुभूत उनके जन्म के समय नियत किसे लिंग से मेल नहीं खाता। 2013 में सरकार ने एक्सपर्ट केमरी का गठन इनके लिये किया। 2014 में सेवेस न्यायालय ने इस बात को मान्यता दी कि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को पुरुष या महिला या तिसरे लिंग के रूप में स्वयं को आई डेंटिफाई करने का अधिकार है। वह उसके स्वास्थ्य के अधिकार का ही एक हिस्सा है। इस संगोष्ठी में उभयलिंगी समाज का प्रतिनिधित्व पांच लोगों (किशोरों) ने किया सुनील मधुबाला, मोहन जी पिंकी जी अनुष्का जी, लक्ष्मी जी। संगोष्ठी को अपनी समस्याओं से मोहना जो रॉय मधुबाला जी ने अवगत कराया कि उन्हें कैसे घर परिवार को इनका पता उन्हें किस प्रकार समाज में सामाजिक भेदभाव और लांछन का सामना करना पड़ता है जो उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार की सेवाओं और सरकारी दस्तावेज तक पहुंच को प्रभावित करता है। वे भी समाज का एक महत्वपूर्ण अंग हैं उन्हें भी विकास के समान अवसर मिलें इसके लिये सरकारी योजनाओं के साथ साथ वैचारिक क्रांति और सामूहिक प्रयास भी जरूरी है। उन्होंने हमसे अपेक्षा की आप कच्चा को ये बातें कि हम भी समाज के सम्मानित सदस्य हैं अतः हमारे साथ भेदभाव वा अपमान जगह व्यवहार न किया जाये सरकार शिक्षा, रोजगार, पुशिका और आरक्षण की सुविधा प्रदान करें।

*(Signature)*  
 Principal  
 Sant Shiromani Guru Ravidas  
 State College Sargaon  
 Dist. Muz. Nalgonda

*(Signature)*  
 विभागाध्यक्ष  
 समाजशास्त्र

महाविद्यालयीन स्तरीय सेमीनार का आयोजन

विभाग - समाजशास्त्र

विषय - "उत्तराखण्ड समाज की समस्या - एक चिंतन"

दिनांक - 04/3/21

स्थल - कक्ष क. - (01)

प्रतिभागियों की सूची -

- 1 फुलेश्वरी - Phuleshwari
- 2 जलेश्वरी - Jaleshwari
- 3 इश्वरी - Ishwari
- 4 सदीप कुमार् - Sadiip Kumar
- 5 भानुप्रताप - Bhanupratap
- 6 प्रियंका वर्मा - Priyanka Verma
- 7 साधुना शर्मा - Sadhuna Sharma
- 8 भागीरथ चन्द - Bhagirath Chand
- 9 गंगा साहू - Ganga Sahu
- 10 दीपा वर्मा - Deepa Verma
- 11 पूजा साहू - Pooja Sahu
- 12 मधु साहू - Madhu Sahu
- 13 अरुण कुमार - Arun Kumar
- 14 नगिष्ठा जोशी - Nagisha Joshi
- 15 शिवेश्वरी - Shiveshwari
- 16 उगति - Ugrati
- 17 गीता वर्मा - Gita Verma
- 18 निखीमा - Nikhima
- 19 नीलम नीलम - Neelam Neelam
- 20 ज्योति ज्योति - Jyoti Jyoti
- 21 भारती भारती - Bharati Bharati
- 22 वर्षा वर्षा - Varsha Varsha
- 23 बिष्णी साहू - Bishni Sahu
- 24 सोमा शर्मा - Soma Sharma
- 25 मीनिका मिश्रा - Meenika Mishra
- 26 भारती शर्मा - Bharati Sharma
- 27 प्रियंका शर्मा - Priyanka Sharma
- 28 अरुणा चतुर्वेदी - Aruna Chaturvedi
- 29 ज्योति ज्योति - Jyoti Jyoti
- 30 तिलेश्वरी तिलेश्वरी - Tilleshwari Tilleshwari
- 31 पिकी टंडन - Piki Tandan
- 32 ~~केश~~ ओमेश चोपड़ा - Omesh Chopra
- 33 ईश्वर प्रताप ईश्वर प्रताप - Ishwar Pratap Ishwar Pratap
- 34 योगेश्वरी मिश्रा - Yogeshwari Mishra
- 35 यशोदा यशोदा - Yashoda Yashoda

APPL  
 विभागाध्यक्ष

डॉ. उमेश प्रियंका  
 डा. प्रताप रंभाजराव

[Signature]  
 In-charge  
 Sant Shirem G. Guru Ravidas  
 Govt. College, Sargauv  
 Distt. Mungeli (C.G.)

ज्ञानवेदन

एक दिवसीय महाविद्यालयीन सेमिनार

“सोशल मीडिया का समाज पर प्रभाव”

समाजशास्त्र विभाग द्वारा महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं के लिये एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कोविड 19 के निर्देशों का पालन करते हुये छात्रों ने भाग लिया। मीडिया संचार का सशक्त माध्यम है। मीडिया समाज को अनेक प्रकार से नेतृत्व प्रदान करता है। इससे समाज को विचारधारा प्रभावित होती है। मीडिया को प्रेरक की भूमिका में ही उपस्थित होना चाहिये जिससे समाज एवं सरकार के प्रेरणा व मार्गदर्शन मिल सके। लोकतांत्रिक देशों में प्रियायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के क्रियाकलापों पर नजर रखने के लिये मीडिया चौथे स्तंभ के रूप में जाना जाता है। मीडिया अगर सकारात्मक भूमिका आदा करे तो किसी भी व्यक्ति, संस्था, समूह और देश के आर्थिक सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक रूप से समृद्ध बनाया जा सकता है। आज के बाजारों के इस युग में नैतिकता, मूल्य संस्कृति को तान पर रख कर व्यक्तिगत हितों के ध्यान में रखा जा रहा है। प्रिंट मीडिया बिकाउ हुआ तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया भी अश्लीलता परोसने लगा। जनता को जागरूक करने वाला मीडिया लालच, स्वार्थ, कुभावना, राजनीतिक छुचड़ के जाल में फँसकर व्यक्तिगत एवं संस्थागत स्वार्थों तक ही संश्लेषित रह गया है। वर्तमान में सोशल मीडिया एक ऐसा माध्यम है जहाँ निर्भिक हो कर अपनी बात सार्वजनिक मैच पर रखी जा सकती है। हम इसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, राजनीति, खेल आर्थिक विकास आदि संदर्भ में कर सकते हैं। वर्तमान का युवा वर्ग इसका प्रयोग सकारात्मक काम और नकारात्मक ज्यादा करने लगे है। आवश्यकता है उनके जागरूक होने की। अस्वाम्यिक क्रियाकलापों से दूर रहने की, साइबर क्रिम से सावधान रहने की, अनजान लोगों से नहीं जुड़ने की, पर्सनल जानकारी को नहीं शेयर करने की, किसी भी प्लोमों में नहीं फँसने की जागरूकता पैदा की गई। कुत्परिवारों के बारे में बताया गया। विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग अ. र. के. चंदेल ने व्याख्यान किया छात्रा पूजा लाडू ने उसके प्रभाव (सकारात्मक) बताया हेमंत साहू ने नकारात्मक प्रभाव बताया।

*[Signature]*  
 Dist. M. U. Ravidas  
 Govt. ...  
 Dist. M. U. Ravidas

*[Signature]*  
 विभागाध्यक्ष  
 समाजशास्त्र

महाविद्यालयीन स्तरीय सेमीनार का आयोजन

विभाग - समाजशास्त्र

विषय - 4 सौराल मीडिया का समाज पर प्रभाव

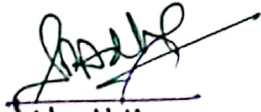
दिनांक - 24/02/21

स्थल - कक्ष क. - (01)

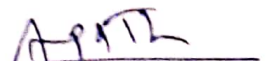
प्रतिभागियों की सूची -

1. जूजा साहू
2. माणिक चन्द
3. दीपा वर्मा
4. मधु साहू
5. हेमंत साहू
6. संजना साहू
7. कुमरा स्वप्न
8. संदीप कुमार
9. रानू साहू
10. नंदनी महिबागी
11. यशवंत राजपूत
12. सुनील साहू
13. गंगा साहू
14. ज्योति साहू
15. हितेश्वरी साहू
16. करण कुमार केशव
17. भूपली कुं
18. रितेश सिंह मन्हरे
19. निलीमा मिरी
20. सीमा

1. जूजा साहू
2. माणिक चन्द
3. दीपा वर्मा
4. मधु साहू
5. हेमंत साहू
6. संजना साहू
7. कुमरा स्वप्न
8. संदीप कुमार
9. रानू साहू
10. Yashvant
11. Sunil
12. Ganga Sahu
13. Jyoti Sahu
14. Hiteswari Sahu
15. Karan Keshav
16. Bhupali
17. Ritesh Singh Manhare
18. Nilima Miri
19. Sima

  
प्राचार्य  
Sant Shiromani Guro Navidas

Sant Shiromani Guro Navidas  
Govt. College, Sargaon  
Distt. Mungeli (C.G.)

  
विभागाध्यक्ष

डॉ. आशाजी पाठक  
उत्पादन संसाधन विभाग

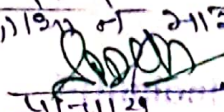
प्रतिवेदन

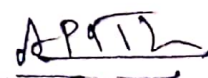
5/10/18

विभाग - समाजशास्त्र

पारिवारिक विघटन की समस्या - एक चिंतन (संक्षेप)

समाजशास्त्र विभाग द्वारा वर्तमान की ज्वलंत समस्या पारिवारिक विघटन की समस्या पर महाविद्यालय स्तर पर सेमिनार आयोजित किया गया। भारतीय समाज की नींव का पत्थर है संयुक्त परिवार जहां अच्छे संस्कार मूल्य, चरित्र, समाजोपकार खोज कर व्यक्तित्व और चरित्र निर्माण करते हैं। समाजोपकार की प्रक्रिया उन्हे समाज से अनुकूलन करना सिखाती है। ये एक अच्छे नागरिक के रूप में किसी राष्ट्र का भविष्य निर्माण करते हैं। आज की इस मौलिकवादी आधुनिकता शिक्षा, रोजगार, प्रशिक्षण, औद्योगीकरण और पश्चिमीकरण ने भी इस आधारभूत संस्था पर प्रभाव डाला है संयुक्त से एककी और छोटे छोटे होते जा रहे हैं। परम्परागत व्यवसायों के दोड़ना रहा है जो परिवार और सम्पत्ति की संयुक्तता के बांधे-रखते थे भिन्न-भिन्न व्यवसायों, जीवनशैली की भिन्नता ने वैचारिक भिन्नताएं भी पैदा की जिससे व्यक्तिवादी दृष्टिकोण क्रियाशील होने लगा लगा। जिस हम से मेरा तेरा दृष्टिकोण आगे हुआ फ्लार-वर्क के ही मजबूरी और कहीं स्वतंत्रता का चाल ने संयुक्त परिवार का विघटन किया अब परिवार है घर नहीं परिवार स्वस्थ परिवार है जो संरक्षण, नियंत्रण, सुरक्षा मिलती है। सौंस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्यों का संरक्षण एवं हस्तांतरण होता था। नैतिक शिक्षा का विकास होता था। आज नौकरों का चाल ने भागदौड़ की जिंदगी जिने पर मजबूर कर दिया। आज हम दुसरो का नौकरा और दुसरे हमारे नौकरा करते हैं। अच्छे मूलावर वृह्य वृह्यकाम में रहने पर मजबूर हो गये हैं। संयुक्त परिवार के विघटन के कारणों पर पूजा साहू ने प्रकाश डाला। (B.A. III) जितेश कुमार ने संयुक्त परिवार का महत्व बताया। (B.A. III) डॉ. रम. जी. वरुण ने पारिवारिक विघटन की समस्याओं और परिणाम पर चिंतन किया। संगोष्ठी के अंत में संयुक्त परिवार का महत्व बताया हुये उसके लाभ बताये। विभिन्न संघों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया

  
P. N. Singh  
Sant Shriromani G. R. Das  
Govt. College, Sargaon  
Dist. Muzaffargarh

  
विभागाध्यक्ष  
डॉ. आभा त्रिपाठी

भार्यालय-प्राचार्य, संत शिरोमणी गुरु रविदास, शासकीय महाविद्यालय, सरगौव  
जिला-मुंगेली (छ.ग.)

महाविद्यालयीन स्तरीय सेमीनार का आयोजन

विभाग - रनभाजरा-१

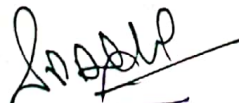
विषय - पारिवारिक विघटन के समस्या : एक चिंतन

दिनांक - 5/10/18

स्थल - कक्ष क. -

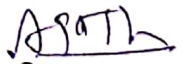
प्रतिभागियों की सूची -

1. खुशी निपाद
2. शशी साहू
3. मधु साहू
4. शीतल कुमार
5. लीलाकरी
6. साधना कौशिक
7. प्रियंका वर्मा
8. माला कुपे-6
9. अमिता जागड़
10. नंदनीलामाह
11. सुदेश्वर
12. रणेश कुमार साहू
13. सुम वर्मा
14. चमेली वर्मा
15. ज्योतिराणी साहू
16. रंजिता किशोर
17. गंगा साहू
18. पुष्पा साहू
19. भारती
20. सुषमा सुषमा
21. ताराचंद खान
22. निधिलेश
23. पंचम देवांगन
24. मधुरा मधुरा
- 25.

  
प्राचार्य

Sant Shriromani Guro Ravidas  
Govt. College, Saragon  
Distt. Munger (C.G.)

Distt. Manager (C.G.)

  
विभागाध्यक्ष

डॉ. उमा सिपाई

आरम्भापक रज. भा. प्रशा. १

Govt. College, Saragon

आरम्भापक रज.



प्रतिवेदन

20/8/18

विभाग - समाजशास्त्र

" युवाओं में अपराध की बढ़ती हुई प्रवृत्ति " विषय पर समाजशास्त्र विभाग महाविद्यालय में स्तर पर सेमिनार का आयोजन किया गया। आज का युवा बहुत महत्वाकांक्षी है संचार प्रौद्योगिकी और इंटरनेट उसे भौतिकता के समस्त साधनों से परिचित करवा दिया है। आज युवा समस्त आधुनिकता साधनों का उपयोग करना चाहता है उसे नैतिक तरीकों से, ईमानदारी, मेहनत से प्राप्त करना अनैतिक और कानूनी तरीकों से प्राप्त करे बस उसे चाहिए। इसके लिये मंहगे शौक आम आदम बन चुका है आज लिया गया मोबाइल 02 साल में पुराना, कार्डिक 04 साल में बेकार लगने लगती है। अपनी सपनों को दुनिया के रत्नाय यथाय मे मेहनत से नहीं खरीक से पुरा करना उसे सहज लगने लगता है और वो इसी के साथ अपराध की दुनिया में प्रवेश करता है। घर, परिवार, समाज, नीतियों, संस्कृति, मूल्य की मर्यादों का उल्लंघन जीवन का हिस्सा बन चुका होता है। मोजमस्तों के नाम पर युवा कल अपराध जगत से जुड़ जाता है उसे खुद शान्त नहीं होता। अपराध जगत की दुनिया में ऐसे बहुत से गिद्य हैं जो ऐसे ही युवाओं को नरो की लत में लगे शौक की लत लगवा कर उन्हें अपराध के दलदल में ढकेलते हैं। अच्छे नोकरों, विदेश यात्रा, इनाम कालालच, अच्छा व्यवसाय आदि बातों का सक्जनाग दिरवा कर इस जगत में ढकेला जाता है। हत्या, भ्रू, बालाकार, चोर, डकैती, ब्लैक मेलिंग के अपराध का श्राफ लगातार बढ़ता जाता है। आवश्यकता है बच्चों को नैतिक शिक्षा दिये जाने की, योग द्वायन से जोड़ने की। पारिवारिक नियंत्रण की नैतिक सामाजिक मूल्यों को बनाये रखने की है। अपराधों की रोकथाम हेतु डॉ. ए.के. चंदेल ने सम्बोधित किया डॉ. रेखा शर्मा ने नैतिक मूल्यों को बनाये रखने की आवश्यकता पर बाल दिया। B.A. II की निलू वमी शंभु अमिता कोशिक ने कारण एवं रोकथाम पर पत्र पाठन किया। सभी संकाय के सदस्यों ने उत्साह से भाग लिया सेमिनार का उद्देश्य युवा जगत को जोड़ना करना भी है कि वे अपराध जगत से चकान्वाध से आकर्षित न हों।

Sant Shiromani Gurdas  
Govt. College Sargaon

विभागाध्यक्ष  
समाजशास्त्र

कार्यालय-प्राचार्य, संत शिरोमणी गुरु रविदास, शासकीय महाविद्यालय, सरगौव  
जिला-मुंगेली (छ.ग.)

महाविद्यालयीन स्तरीय सेमीनार का आयोजन

विभाग - समाजशास्त्र

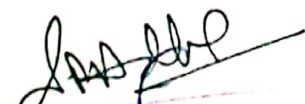
विषय - "मुंबई में अपराध के बढ़ती हुई प्रवृत्ति"

दिनांक - 20-08-2018


स्थल - कक्ष क्र. - 01

प्रतिभागियों की सूची -

1. मणिक चन्द मणिक चन्द
2. शीतल कुमार शीतल कुमार
3. अनिता जांगड़े Anita Jangde
4. नंदिनी बाबाई
5. कृष्णेश्वर Bhanushri
6. प्रमोदी वर्मा - प्रमोदी
7. पूनमणी एनम
8. ज्योतिराणी साहू ज्योतिराणी साहू
9. मंदापि (मंदापि) मंदापि
10. ज्योति साहू ज्योति साहू
11. मधु साहू मधु साहू
12. लीनवती - लीनवती
13. गंगा साहू गंगा साहू
14. हेमंत साहू हेमंत साहू
15. नीतु कुमारी नीतु
16. भारती
17. पंचल देवांगन
18. मिथलोश
19. शुभमा शुभमा
20. ताराचंद एन
21. साधना कौशिक साधना कौशिक
22. प्रियंका वर्मा - प्रियंका वर्मा
- 23.
- 24.
- 25.

  
प्राचार्य

Sant Shiromani Gurdas  
Govt. College, Sargaon  
Distt. Mungeli (C.G.)

  
विभागाध्यक्ष

डॉ. अनामिका सिपाई  
शासनालय सरगौव

कार्यालय-प्राचार्य, संत शिरोमणी गुरु रविदास, शासकीय महाविद्यालय, सरगाँव  
जिला-मुंगेली (छ.ग.)

महाविद्यालयीन स्तरीय प्रतियोगिता - ... ताद विवाद प्रतियोगिता

विभाग - हिन्दी विभाग एवं समाज शास्त्र विभाग

विषय - " गाँधीवाद से ही भारत की समस्याओं का समाधान संभव है । "

दिनांक - 09-10-2021

स्थल - कक्ष क्र. -03

प्रतिभागियों की सूची -

1. चन्द्रकली टंडन बी.ए. III - पक्ष - प्रथम
2. रविपुकाश बी.ए. III - पक्ष - द्वितीय
3. चोदनीविमलित-III - पक्ष
4. अमित ओरिण्डा - पक्ष
5. सपना पटेल बी.कॉम II - पक्ष
6. मनीषा साहू बी.कॉम II - विपक्ष
7. सुरज पंजवारे BSC III - विपक्ष
8. कुशी साहू B.Sc. III - विपक्ष
9. अंजलि शेरले बी.ए. II - विपक्ष - द्वितीय
10. अक्षय साहू बी.ए. II - विपक्ष - प्रथम

11.

12.

13.

14.

15.

16.

17.

18.

19.

20.


21.

22.


23.

24.

25.

  
प्राचार्य  
संत शिरोमणी गुरु रविदास

Sant Shiromani Guru Ravidas  
Govt. College, Sargaon  
Distt. Mungeli (C.G.)

  
विभागाध्यक्ष  
डॉ. आशा त्रिवेदी  
प्राचार्य, समाजशास्त्र

## Office of the Principal

Sant Shiromani Guru Ravidas Government College Sargaon, Dist-Mungeli (C.G.)

(College Code-2904) www.ssrgcsargaon.ac.in email- ssrgovtcollegesargaon@gmail.com

### समाजशास्त्र (sociology)

#### Mission (लक्ष्य) -

समाजशास्त्र विषय कला संकाय के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में एक मुख्य विषय के रूप में प्रचलित है। छात्रों को समाज के बारे में वैज्ञानिक व समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण प्रदान कर यथार्तवादी ज्ञान विकसित करना इस विषय का मुख्य उद्देश्य है। वे एक सभ्य सुसंस्कृत सामाजिक प्राणी बनने के साथ-साथ अपने समाज के प्रति अपने दायित्वों के निर्वाहन के लिए जागरूक एवं तत्पर हों। ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं हेतु मार्गदर्शन देना है। सामाजिक परिवर्तन से उत्पन्न समस्याओं का अध्ययन एवं निराकरण करना एवं उनसे सामंजस्य स्थापित करना है इस विषय का मूल उद्देश्य है।

#### vision (दृष्टि)

1. सामाजिक संरचना सामाजिक परिवर्तन के प्राचीन एवं वर्तमान स्वरूपों का ज्ञान प्रदान करना
2. समाज की संस्थापक ईकाइयों का महत्व उत्पन्न समस्याएं एवं निराकरण प्रस्तुत करना।
3. हमारा समाज के प्रति और समाज का हमारे प्रति उत्तरदायित्व स्पष्ट कर रचनात्मक स्वरूप प्रदान करना।
4. समाज कल्याण, श्रम कल्याण सामाजिक सुरक्षा हेतु सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण विकसित किया।
5. सामाजिक समस्याएं, सामाजिक परिवर्तन जनजातिय समाज एवं अपराध से संबंधित नवीन जानकारी वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत करना।
6. सामाजिक अनुसंधान द्वारा वस्तुनिष्ठ अध्ययन करना।


पाठ्यक्रम की जानकारी - स्नातक बी. ए. तीन वर्षीय पाठ्यक्रम की जानकारी निम्नानुसार है-

1. बी. ए. प्रथम वर्ष - प्रथम प्रश्न पत्र - समाजशास्त्र का परिचय (Introduction to sociology )  
द्वितीय प्रश्न पत्र - समकालीन भारतीय समाज ( contemporary Indian society )
2. बी. ए. द्वितीय वर्ष - प्रथम प्रश्न पत्र - जनजातिय समाज का समाजशास्त्र ( sociology of tribal society )  
द्वितीय प्रश्न पत्र - अपराध एवं समाज ( crime and society)
3. बी. ए. तृतीय वर्ष - प्रथम प्रश्न पत्र - जनजातिय समाज का समाजशास्त्र ( sociology of tribal society )  
द्वितीय प्रश्न पत्र - सामाजिक अनुसंधान की पद्धतिया ( social research of methods )

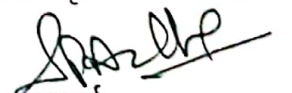
समाजशास्त्र विषय के पाठ्यक्रम में समाजशास्त्र के परिचय के साथ विषय की सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक उपयोगिता भी ध्यान में रखते हुए अध्यापन किया जाता है। समकालीन सामाजिक समस्याओं एवं मानवीय संबंधों में सुधार हेतु रचनात्मक प्रवृत्ति का विकास किया जाता है एवं अपने समाज व संस्कृति के प्रति दायित्वों के निर्वाह की उन्हे प्रेरणा दी जाती है। जिससे वे परिवर्तन से सामंजस्य स्थापित कर सकें एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास हों जो उन्हे व्यवहारिक जीवन के साथ-साथ व्यवसायिक जीवन में भी सफलता प्राप्त करने में सहयोगी हो।

#### Program Objective and learning out comes

समाजशास्त्र विषय का पाठ्यक्रम इस बात को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, कि स्नातक स्तर के छात्रों को परीक्षा उत्तीर्ण करने साथ-साथ अपने विषय की मूल जानकारी एवं समाज सेवा, समाज कल्याण, सामाजिक सुरक्षा आदि के क्षेत्रों में उन्हें प्राथमिकता मिले साथ ही प्रतियोगी परीक्षा के अध्ययन में सुविधा हो एवं समाज के प्रति उनमें साकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हो।

  
प्राध्यापक

डा. अनामिका प्रिया  
प्राध्यापक (समाजशास्त्र)

  
प्राचार्य

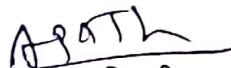
Sant Shiromani Guru Ravidas  
Govt. College, Sargaon  
Distt. Mungeli (C.G.)


## Course Outcome

Class- B. A. I, II & III

Subject – Sociology

1. स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम (समाजशास्त्र) को पढ़ने से छात्रों के ज्ञान में वृद्धि तो हुई है साथ ही साथ अपने सामाजिक दायित्वों को बदलते हुए परिवेश में कैसे निभाया जाय इसकी प्रेरणा भी मिली है।
2. विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में मुख्य विषय हेतु समाजशास्त्र के चयन से होने वाले फायदे समाजकल्याण, श्रम कल्याण, महिला बाल कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, सुपरवाइजर आदि क्षेत्रों में इस विषय की प्राथमिकता ज्ञात हुई।
3. छात्रों को सामाजिकरण के साथ ही एक अच्छे नागरिक व सामाजिक प्राणी बनने हेतु समय समय पर मार्गदर्शन व सहयोग का लाभ मिला।
4. अपराध शास्त्र के अध्ययन से अपराध व उसकी प्रवृत्ति जानने से युवा वर्ग स्वयं अपराध से तो बचेगा ही अपने आसपास होने वाले अपराधों की रोकथाम हेतु भी सजग रहेगा। इस विषय के कारण उसे प्रोवेशन अधिकारी, समाज सुधारक, सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका का दायित्व भी सौंपा जाता है।
5. कार्य में मानवीय संबंधों से सुधार, वर्तमान की सामाजिक समस्याएँ उन पर चिंतन उसके प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण व अनुसंधान पश्चात सार्थक समाधान हेतु भी छात्रों को एक नई दिशा मिलती है।
6. इस विषय के अध्ययन से छात्र संपूर्ण जीवन में उम्र व समय के साथ साथ समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखकर अपने सामाजिक, पारिवारिक एवं राष्ट्रीय दायित्वों का निर्वहन एक जागरूक नागरिक के रूप में करेगा।
7. अपनी संस्कृति की मौलिकता को बनाये रखने के साथ बदलते परिवेश से सामंजस्य स्थापित करना ही समय की मांग है जिसे उन्हें सीखाया जाता है।

  
डॉ. आमा त्रिपाठी  
प्राध्यापक, समाजशास्त्र विभाग

  
Principal,  
Sant Shiromani G. R. V. College, Sargaon  
Govt. College Sargaon  
Distt. Mungeli (C.G.)

समाजशास्त्र विभाग


विषय :- बी. ए. प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं द्वारा ग्राम मनियारी में दहेज प्रथा की बुराई दूर करने हेतु शैक्षणिक भ्रमण।

आज दिनांक 08.01.2020 को बी.ए. भाग एक के विद्यार्थियों ने ग्राम मनियारी में भारतीय समाज में दहेज की बुराई को दूर करने हेतु शैक्षणिक भ्रमण किया। सर्वप्रथम विद्यार्थियों ने गांव के सरपंच प्रेम पाटले जी उप सरपंच विष्णु यादव जी एवं अन्य गणमान्य लोगो से संपर्क किया एवं ग्रामीण शिक्षा के स्तर की जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने विशेषकर बालिका शिक्षा महिलाओं की स्थिति एवं सुख-सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। गांव के एक निर्धारित स्थान पर छात्रों ने कुछ महिलाओं को बुलाया और उन्हें बताया की विवाह से संबंधित समस्याओं में दहेज एक प्रमुख समस्या मानी जाती जो वर्तमान में गंभीर समस्या बन गई है। बालविवाह, विधवा विवाह, कन्या भ्रुण हत्या, बेमेल विवाह निषेध जैसी समस्याएं भी इससे संबंधित है कि दहेज ने विकराल रूप धारण कर लिया है।

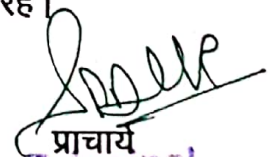
दहेज स्वयं अभिशाप तो है ही साथ ही अन्य अनेक समस्याओं जैसे भ्रष्टाचार, महिला उत्पीड़न आदि की जड़ भी है। छात्रों ने ग्रामीण महिलाओं को बताया की 1961 में दहेज निरोधक अधिनियम के 60 वर्ष बाद भी यह समस्या समाप्त नहीं हो पाई है। छात्रों ने दहेज प्रथा के कारणों, दुष्परिणाम एवं समाप्त करने के सुझाव नये कानूनों के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया। कुछ ग्रामीण महिलाओं ने छात्रों के समक्ष प्रण किया कि वे भविष्य में दहेज प्रथा का पूर्ण विरोध करेंगी। समस्त छात्रों और ग्रामीणों ने भी साथ में संकल्प लिया की वे अपने परिवार एवं समाज दहेज प्रथा को समाप्त करने पूर्ण सहयोग करेंगे।

निम्नलिखित छात्रों ने भ्रमण किया-

सरिता साहू, सुषमा राजपूत कृष्णा कुमार, संजू बरगाह, अनुज कुमार, दिलेश्वरी ध्रुव, अनिल साहू, पूजा वर्मा, संतोषी सुरते, वेदप्रकाश आदि छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें।

  
विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र

डा. उतमा त्रिपाठी

  
प्राचार्य  
Principal  
Sant Shiromani Guru Ravidas  
Govt. College Saragan  
Distt. Mungeli (C.G.)

सरगाँव, दिनांक 04.11.2017

समाजशास्त्र विभाग

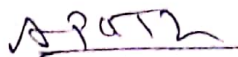
विषय :- बी. ए. तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राओं द्वारा पुलिस थाना सरगाँव का भ्रमण।

आज दिनांक 04.11.2017 को बी.ए. द्वितीय वर्ष समाजशास्त्र के कुछ छात्र छात्राओं ने पुलिस थाना सरगाँव का भ्रमण किया। सरगाँव थाना प्रभारी श्री मनीष नागर जी एवं अन्य कर्मचारियों से मुलाकात की थाना प्रभारी ने छात्रों को पुलिस विभाग की कार्यपद्धति के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने छात्रों को सगठित अपराध एवं साइबर अपराध के बारे में विस्तारपूर्वक बताया एवं सावधानियां रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा की वे सभी कार्य जो सामाजिक व्यवस्था के विरुद्ध होते हैं अपराध की श्रेणी में रखे जाते हैं। अतः सामाजिक आदर्शों एवं नियमों के विरुद्ध कार्य करना अपराध कहलाता है ऐसे कार्य करने वाले को अपराधी कहा जाता है। उन्होंने संगठित अपराध क्या है और उसके लक्षण बताये और वर्तमान में हो रहे संगठित अपराधों पर प्रकाश डाला तथा सचेत किया।

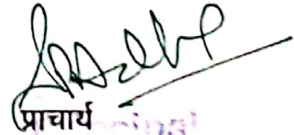
अन्य प्रभारी केसर पराग जी ने साइबर अपराध क्या है कैसे अपराधी घर बैठे ठगी करते है। साइबर अपराधों के प्रकार एवं भारत में इसके परिणाम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। छात्र उस समय अत्यधिक प्रभावित हुये जब पुलिस अधिकारी ने उन्हें भारत में साइबर अपराधों की रोकथाम हेतु अपनाये जा रहे उपायों की जानकारी प्रदान की। पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली एवं समाज के प्रति उनकी निष्ठा को देखकर कुछ छात्रों ने पुलिस अधिकारी बनने का अपना लक्ष्य निर्धारित किया।

पुलिस थाने गये छात्रों की सूची

1. यशवंत डहरिया
2. रामेश्वर साहू
3. जयप्रकाश
4. भगवती साहू
5. लक्ष्मी कौशिक
6. रजनी दुर्गा
7. बिसाहीन
8. रत्ना राजपुत
9. संगीता
10. सरस्वती
11. रमसील्ला
12. अनुसुईया

  
विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र

डॉ. उताम सिपाई

  
प्राचार्य

Sant Shiroman Guro Ravidas  
Govt. College, Saragan  
Distt. Mungeli (C.G.)

समाजशास्त्र विभाग

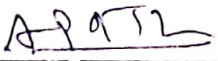
विषय :- बी. ए. तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा ग्राम सल्फा जिला-मुंगेली का शैक्षणिक भ्रमण।

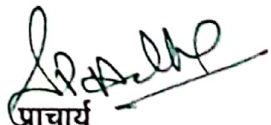
आज दिनांक 26.09.2018 इस महाविद्यालय के बी.ए. तृतीय वर्ष समाजशास्त्र के कुछ छात्र-छात्राओं ने गांव की साफ सफाई की तत्पश्चात् निर्धारित स्थान पर गांव के सरपंच एवं गांव के अन्य ग्रामीणों से मुलाकात की। छात्र देवानाथ श्रीवास ने ग्रामीणों को दहेज प्रथा एवं घरेलू हिंसा के दुष्प्रभावों को बताया एवं ग्रामिणों को दहेज लेने एवं देने से दूर रहने प्रेरित किया एवं दहेज निरोधक कानून की जानकारी दी।

छात्रा मीना रात्रे ने महिला उत्पीड़न के दुष्परिणाम के बारे में बताया एवं टोनही प्रताड़ना को रोकने एवं पूर्ण रूपेण प्रतिबंध हेतु प्रेरित किया। टोनही प्रताड़ना कैसे नासूर के समान महिलाओं की हत्या एवं शोषण का कारण बनती है विस्तारपूर्वक समझाया एवं अन्याय को रोकने बने टोनही प्रताड़ना निरोधक कानून 2005 की जानकारी दी व उलंघन पर दिये जाने वाले दंड के बारे में जानकारी दी।

डॉ. आभा त्रिपाठी ने समाज में व्याप्त अंध विश्वासों पर चर्चा की एवं उनके दुष्परिणाम के बारे में बताया साथ ही महिलाओं के हितों के संरक्षण में बने कानूनों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों से हर क्षेत्र के नवीनतम ज्ञान को अर्जित करने हेतु प्रेरित किया। समय-समय पर अपडेट होते रहने की आवश्यकता वर्तमान की अनिवार्यत है समझाया।

1. अहिल्या
2. अन्नपूर्णा
3. अश्वनी
4. देवनाथ श्रीवास
5. दिनेश कुमार
6. प्रीती कौशिक
7. अशवंत
8. रजनी साहू
9. शांति साहू
10. यशोदा साहू
11. पवन कुमार
12. सीमा साहू

  
विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र  
डॉ. आभा त्रिपाठी

  
प्राचार्य  
Principal  
Sant Shiromani Guro Ravidas  
Govt. College, Sargaon  
Distt. Mungeli (C.G.)



**Revised syllabus**  
**SOCIOLOGY 2018-2019**

B.A. PART-III  
PAPER - I

**FOUNDATIONS OF SOCIOLOGICAL THOUGHT**  
(Paper Code-0246)

- UNIT-I **August Comte** : The Law of Three Stages , Positivism, Hierarchy of Science.  
**Durkheim**: Social Solidarity and Suicide.
- UNIT-II **Karl Marx** : Dialectic Materialism , Class Struggle and Surplus value.  
**Max Weber** : Bureaucracy, Authority and the Protestant Ethic and the spirit of Capitalism.
- UNIT-III **Pareto** : Circulation of Elites and Logical and Nonlogical action.  
**Spencer** : Social Darwinism, super organic evolutions.
- UNIT-IV **Thorstein Veblen**: The Theory of Leisure Class, Theory of Social Change.  
**R. K. Morton**: Functionalism and Reference Group.
- UNIT-V **Development of Sociological thought in India** : -  
**Mahatma Ghandhi**: Ahimsa, Satya Graha and Trusteeship.  
**Radha kamal Mukherjee** : The Concept of Value.

ESSENTIAL READINGS -

- 1 Barres,H.E. : Introduction to the sociology, Chicago the university of Chicago press 1959.
- 2 Coser,Levis a.,: Master of sociological thought, New York Harcourt Brace Jovanovich 1979.
- 3 Singh, Yogendra- Indian sociology:social conditioning and emerging trends. New Delhi vistaar 1986.
- 4 Zeitlin,Irving-(Indian edition) Rethinking sociology: A critique of contemporary theory , Jorpur Rawl 1999.

2447  
11.06.18

11/06/2018

11-6-18

11/4/18

11/6/2018

Head,  
S.O.S. in Sociology & Social Work,  
Pt. Ravishankar Shukla University,  
Raipur. (C.G.)

**Revised syllabus**  
**SOCIOLOGY 2018-2019**

B.A. PART-III

PAPER-II

METHODS OF SOCIAL RESEARCH

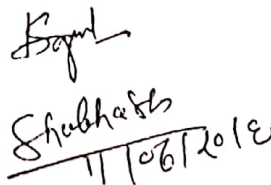
(Paper Code-0247)

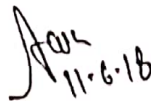
- UNIT-I **Social Research** : Meaning, Characteristics and Significance.  
Scientific methods , Hypothesis.
- UNIT-II **Qualitative Research** : Ethnography, Observation, Case Study, Content analysis.
- UNIT-III **Research design** : Exploatory , Descriptive, Explanatory, Experimental, and Diagnostic.
- UNIT-IV **Tools and Techniques of Social Research**: Social Survey, Sampling, Questionnaire, Interview - Schedule and Interview - Guide.
- UNIT-V **Social Statistics**: Meaning, Importance and Limitations.  
Graphs, Diagrams and Measures of Central Tendency- Mean, Mode, Median, Co-  
relation, Use of Computer in Social Research.

**ESSENTIAL READINGS –**

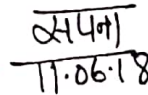
1. Young, P.V. (1977). *Scientific Social Surveys and Research*. Prentice Hall of India. New Delhi.
2. Bruce, C., & Margaret, M. (1993). *Approaches to Social Research*. New York: Oxford University Press.
3. Cohen, M., & Nagel, E. (1944). *An Introduction to Logic and Scientific Method*. New York: Harcourt, Brace & Company.
4. Forcese, D., & Richer, S. (1973). *Social Research Methods*. Cliffs: Englewood, Cliffs, NJ. Printinh Hall.
5. Moser, C.A. (1962). *Survey Methods in Social Research Investigation*. London: Heinemann, Printce Hall.
6. Goode, & Hatt. (1952). *Methods in Social Research*. New York: MC'grawHill Publishers.

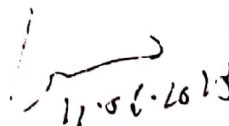
  
11.6.18

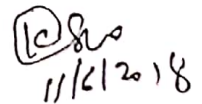
  
Shubhash  
11/06/2018

  
11.6.18

  
11/6/18

  
11.06.18

  
11.06.2018

  
11/6/2018

Head,  
S.O.S. in Sociology & Social Work,  
Pt. Ravishankar Shukla University,  
Raipur. (C.G.)